आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

गुरुवार 04.09.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में आपदा से हुए नुकसान को लेकर केंद्र सरकार से 5 हजार 702 करोड़ रुपए से अधिक की विशेष सहायता का अनुरोध।
- विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली राज्य की 13 महिलाओं को तीलू रौतेली पुरस्कार और 33 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों से किया संवाद। कहा– प्रदेश के सभी जिलों में वृद्ध आश्रम बनाए जाएंगे।
- वामन द्वादशी के अवसर पर बदरीनाथ धाम में माता मूर्ति महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

<u>आपदा/सहायता अनुरोध</u>

प्रदेश सरकार ने इस वर्ष मानसून के दौरान राज्य में हुई क्षति की प्रतिपूर्ति और भविष्य में अवस्थापना संरचनाओं को संभावित नुकसान से बचाने के लिए केंद्र से 5 हजार 702 करोड़ रुपये से अधिक की विशेष सहायता देने का अनुरोध किया है। इस संबंध में आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव, विनोद कुमार सुमन ने केंद्रीय आपदा प्रबंधन प्रभाग के अपर सचिव को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने बताया कि इस साल प्राकृतिक आपदा से सड़कों, पुलों और सरकारी परिसम्पत्तियों को काफी नुकसान हुआ है। इसके अलावा निजी–व्यावसायिक भवनों, दुकानों, होटलों, होमस्टे, रेस्टोरेंट और अन्य अवस्थापना संरचनाएं भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। साथ ही अनेक ऐसी परिसम्पत्तियां, मार्ग, आबादी वाले क्षेत्र और अन्य अवस्थापना संरचानाएं आपदा से क्षतिग्रस्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने बताया कि आपदा से हुई इस क्षति के लिये केंद्र सरकार से लगभग 5 हजार 702 करोड़ रुपए की धनराशि की मांग की गई है।

<u>तीलू रौतेली पुरस्कार</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 13 महिलाओं को तीलू रौतेली पुरस्कार और 33 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया। आज देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ये पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने वीरांगना तीलू रौतेली को नमन करते हुए कहा कि, तीलू रौतेली ने महज 15 वर्ष की उम्र में अपने रण कौशल से विरोधियों को परास्त किया। जिस उम्र में बच्चे खेलना, कूदना और पढ़ना सीखतें हैं, उसी उम्र में तीलू रौतेली ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया। इसलिए वीरांगना तीलू रौतेली को उत्तराखंड की झांसी की रानी कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, प्रदेश में मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है और महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं।

इस मौके पर महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि पुरस्कार जीतने वाली हर महिला समाज के लिए आदर्श बन गई है।

<u>मुख्यमंत्री/जीएसटी</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जीएसटी दरों में किए गए सुधारों के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों, मध्यम वर्ग और छात्रों को काफी लाभ मिलेगा।

उधर, जीएसटी सुधारों को लेकर लोगों ने इसका समर्थन किया है। बागेश्वर में व्यापारी वर्ग और आम नागरिकों ने इसे जनता के हित में बताया है।

गौरतलब है कि जीएसटी परिषद ने दैनिक उपयोग की कई वस्तुओं पर दरों में कटौती को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है, जिससे अधिकांश वस्तुएँ और सेवाएँ सस्ती हो गई हैं। परिषद ने अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की चार–स्तरीय संरचना से सरल बनाकर 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो–स्तरीय संरचना में बदल दिया है।

<u>मुख्यमंत्री संवाद</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक संवाद के तहत आज देहरादून में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग शादी अनुदान व राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना का सॉफ्टवेयर लॉन्च किया। साथ ही समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत दी जा रही पेंशन की इस वित्तीय वर्ष की पांचवीं किश्त का ऑनलाइन भुगतान किया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग युवक–युवती से विवाह करने पर प्रोत्साहन अनुदान धनराशि 25 हजार रूपये से बढ़ाकर 50 हजार रूपये करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा एक से कक्षा आठ तक के दिव्यांग छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा को समाप्त किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में एक–एक वृद्धाश्रम की व्यवस्था की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संवाद के पीछे उनका यही मंतव्य था कि वो सबकी समस्याओं, आवश्यकताओं को सीधे तौर पर जान सकें, जिससे उनके समाधान के लिए और अधिक ठोस कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

माता मूर्ति महोत्सव

वामन द्वादशी के पावन अवसर पर आज बदरीनाथ धाम में माता मूर्ति महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। भगवान बदरीविशाल अपनी माता मूर्ति से मिलने माणा गांव के समीप माता मूर्ति मंदिर पहुँचे। बदरीनाथ के मुख्य पुजारी रावल, ईश्वरी प्रसाद नम्बूदरी ने बताया कि सुबह भगवान भगवान बदरीविशाल की उत्सव मूर्ति, श्री उद्धव जी की डोली माणा गांव के माता मूर्ति मंदिर की ओर रवाना हुई। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु, डोली यात्रा में माता–पुत्र मिलन के साक्षी बने। पूजा और भोग के बाद डोली बदरीनाथ लौटी, जहाँ आरती के साथ उत्सव संपन्न हुआ। यह परंपरा माता–पुत्र के प्रेम के साथ ही सांस्कृतिक एकता को भी दर्शाती है।

प्राचार्य सम्मलेन

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज– आर.आई.एम.सी देहरादून में दो दिवसीय राष्ट्रीय सैन्य विद्यालय प्राचार्य सम्मेलन–2025 आज सम्पन्न हो गया। सम्मेलन में देशभर के पांच राष्ट्रीय सैन्य विद्यालय– आर.एम.एस के प्रमुखों ने भाग लिया। जिनमें शैक्षणिक, प्रशिक्षण और प्रशासनिक स्तर पर सहयोग को सुदृढ़ करने पर गहन विचार–विमर्श किया गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न सत्रों में संकाय प्रमुखों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां, नवप्रवेशित बालिका कैडेटों के समावेश और समग्र छात्र विकास जैसे विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। सम्मेलन में बुनियादी ढांचे में नवाचार, शिक्षकों के प्रशिक्षण और एनडीए परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया। आर.आई.एम.सी और आर.एम.एस दोनों के नेतृत्व ने आपसी सहयोग और संसाधनों के साझा उपयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। सभी संस्थानों ने अनुशासन, फिटनेस और शैक्षणिक गुणवत्ता के उच्च मानकों पर खरे उतरने वाले कैडेट तैयार करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया।